

28.11.22

पत्रावली आज वास्ते निर्णय पेशा हुयी।
वकील वादी उप०। वाद पत्र वादी, पत्रावली
पर मौजूद रिपोर्ट, दस्तावेजात तथा
रिपोर्ट नूनिधारी (तहसीलदार) नीतकायाणा
का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया गया।

बहस वकील वादी पर मनन किया
गया। जिससे जाहिर आता है कि वादी-

गण ~~क~~ गण गणेश्वर स्थित हाल
नक्शा नं. 1, 2 व 3 के वर्तमान नक्शों

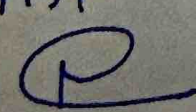
में मौके अनुसार तरमीम की दुकाली
चाहते हैं। तहसीलदार (नूनिधारी) की

तथ्यात्मक रिपोर्ट से स्पष्ट है कि
नूनिधारी विभाग ने दौराने सेटलमेन्ट

सही जगह पर ही तरमीम कर
नक्शा संघारित किया है। गत नक्शों

व हाल नक्शों में भी कोई परिवर्तन
नूनिधारी ने अपनी रिपोर्ट में नहीं

कहा है एवं न ही वादीगण ने इस



(वृजेश कुमार)
उपखण्ड अधिकारी

आशय का कथन किया है। खसरा नं. 2
 व 3 की खातेदारी वादीगण के नाम दर्ज
 है तथा ख. नं. 1 राजकीय सिपाय चक्र श्रमि
 है। अतः प्रकरण विस्तृत रूप से निम्निलेखित
 श्रमि का राजकीय श्रमि से तब्दादला (Exchange)
 का है। अतः वाद पत्र वादी बाबत नबशा
 इस दुबस्तरी तरभीम बाबत घोषणा धारा
 188 राज. दाबतकारी अधिनियम घोषणीयनदी
 होने से खारिज किये जाने योग्य है।

आदेश

(बृजेश कुमार)
 उपखण्ड अधिकारी
 नामकाथाना (साकर)

उपरोक्त विवेचन के आधार पर वाद
 पत्र वादी अस्वीकार कर खारिज किया
 जाता है। उक्त आदेश अनुसार पर्चा डिप्टी मुर्तीब
 हो। पनावली बाद फैसल कुमार व नम्बर
 से कम होकर दफ्तर दारिकल हो।
 निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।

(बृजेश कुमार)
 उपखण्ड अधिकारी
 नामकाथाना (साकर)